



मेघालय के मु.मंत्री खुश हैं, हनीमूनस की वारदात से उनके दूरिज्म पर आँच नहीं आयेगी

उनकी खुशी का कारण है, वारदात “उन नॉर्थ इण्डियन्स” का आपसी मामला निकला, मेघालय की जनता का उस वारदात से कुछ लेना-देना नहीं था

-रेणु मित्तल-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जून क्या सोनम बेवफा थी?

इंदौर के जोड़े की रहस्यमय हत्या की इस गुरुत्व से ने पूरे देश को ज़क़झोर दिया है।

घटना को लेकर सदमा, अविवास और दुख है तथा यह सवाल पूछा जा रहा है कि समाज कितना नीचे गिर चुका है, और क्या यह जातिगत राजनीति (कार्पोरेटेटिव्स) का परिवारों में निर्भाउ जाती है, जहाँ एक उच्च जाति की लड़की को निम्न जाति के अपने प्रेती से शादी करने की इजाजत नहीं दी जाती। ज्यादात मामलों में, टियर 2-3 शहरों में माता-पिता अपनी बेटियों को परिवारों में ड्रेस और समाज में अपनी स्थिति की बजह से अपनी ही जाति के लड़के शादी करने के लिए मजबूर करते हैं।

क्या सोनम के साथ यही हुआ?

- पर, क्या यह जानकर, कि सोनम ने सुपारी देकर, अपने पति की हत्या करवायी, इस काण्ड की इतिशी मान ली जाएगी, जो इस समय पूरे देश को झकझोरे हुए है?
- पर, इस काण्ड का असली गुनाहगार वह जात (कास्ट सिस्टम) है, जिसके कारण एक संबंधित परिवार सामाजिक इज़ज़त की वजह से अपनी बेटी के प्रेम संबंध को स्वीकार नहीं कर पाता, क्योंकि उनकी पुत्री का प्रेमी नीची जात का व्यक्ति है।
- प्रेम संबंध फलीभूत न होता देख, प्रेमी युगल कुण्ठा में, इस तरह की घिनींही हत्या को अंजाम देता है।
- ऐसी सामाजिक इज़ज़त को बचाने के प्रयास की घटनाएं आम तो नहीं हैं, नॉर्थ इण्डिया’ में, पर अनहोनी भी नहीं हैं, छोटे-छोटे शहरों और कस्बों में।

सोनम और राजा, इंदौर के एक जोड़े ने शादी की ओर में शामिल थे। आगे की पृष्ठात तथा अपने बेटी को फोन कर जाव तो जोड़े की इजाजत नहीं होती रही। अब सोनम और राजा इस हत्या की खबर सुनियोंगे।

मृत पाया गया।

कुशवाहा है, जो पिछड़ी जाति से है, और कविता रूप से दो सुपारी बिलर है, जिन्होंने राजा और सोनम के निर्देश पर पति राजा की हत्या कर दी।

सोनम अपने नीचम पर जाते समय शादी में मिले सोने के चारों जैकेट लेकर गई थीं और अपने पिता के खत्ते से 10 लाख रुपये भी निकल लिए थीं। अब सोनम के पिता सी.बी.आई. जांच की मांग कर रहे हैं।

पुलिस का दावा है कि सोनम और राजा इस हत्या में शामिल थे। आगे की पृष्ठात तथा अपने बेटी को फोन कर जाव तो जोड़े की इजाजत नहीं होती।

जब इस जोड़े की गुमशुभरी और राजा रुधुरियी की हत्या की खबर सुनियोंगे में आई, तो मेघालय के मुख्यमंत्री ने अपने शीर्ष पुलिस राजनीति को फोन कर जाव तो जोड़े की कार्रवाई की।

मेघालय सरकार नहीं चाहती थी कि यह संदेश जाए कि इस प्रकार में पाई गई है और उसका दावा है कि उसे अपनी बेटी को फोन कर जाव तो जोड़े की इजाजत नहीं होती।

पुलिस राजनीति को आगे बढ़ाया है कि वन विभाग या पुरातत विभाग सुरक्षा को कोई कदम नहीं उठा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि वन विभाग या पुरातत विभाग सुरक्षा को आगे बढ़ाया है।

पुरातत विभाग सुरक्षा को आगे बढ़ाया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

टाइगर के हमले में जैन मंदिर के चौकीदार की मौत

सावई माध्यपुर, 9 जून (निवंदे)। प्रदेश के सभी बड़े रणथंभीर टाइगर रिजर्व में बाघ ने सोमवार को फिर एक जिंदगी छीन ली। रणथंभीर किले में टाइगर ने जैन मंदिर के चौकीदार को मार डाला। करीब पाँच दो माह में टाइगर अंदर के कारण होने वाली यह तीसरी मौत है।

घटना को लेकर रोप व्याप है। लोगों का कहना है कि रणथंभीर में वन विभाग का सिस्टम बिलकुल फेल है। यहाँ अधिकारी सिर्फ़ टाइगर को प्रमुखता

“बाहरी” व्यक्तियों को खदेड़ने के खिलाफ अमेरिका में भारी विरोध व प्रदर्शन

ट्रम्प ने सशस्त्र “नैशनल गार्ड”, अद्वृत सैनिक बल को लॉस एंजलिस भेजा प्रदर्शनकारियों पर काबू पाने के लिए, उनके एक उच्चाधिकारी ने “मरीन्स” को प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए तैयार रहने के आदेश भी दिये बताये

-अंजन रोय-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जून अब तक

उम्मीदों और सपनों की धरती रहा

अमेरिका, एक दुःखप में बदल गया

है। देश के सभी प्रिंसिपल शहरों में से एक,

लॉस एंजलिस में संघीय आप्रवासन

फैरलॉक इमोशन

कार्रवाई के खिलाफ व्यापक

विरोध प्रदर्शन देखे गए हैं।

लॉस एंजलिस में विरोध प्रदर्शन

भड़क रहा है, लोकेन देश के एस कई

अच्युत हस्ते भी हैं, जहाँ हालात तंदंदेशनशील है। जिनके पास वैध

दस्तावेज़ हैं, वे भी सड़कों पर उत्तर आए हैं, व्हायॉक उड़े ही बीटारैट किया जा रहा है।

लेकिन वर्षामान प्रदर्शनों को दबाने

के लिए जो उपाय किए गए हैं, वे अब

मूल संस्थाएं से भी बदलत सांतोष हो रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने बचनों के

साथ स्थिति को और जटिल बना दिया यहाँ।

देखें हैं, लोगों की सुरक्षा को नहीं हो पहले टाइगर ने एक बालक को मार डाला, फिर वन विभाग के कर्मचारी ने जैन के बालक को और अपने बेटी को फोन कर जाव तो जोड़े को कहने के लिए लोगों का कहना है कि वन विभाग या पुरातत विभाग सुरक्षा को कोई कदम नहीं उठा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि वन विभाग या पुरातत विभाग से भी बदलत सांतोष हो रहे हैं।

ट्रम्प ने प्रदर्शनों को कंट्रोल करने के

लिए, स्थानीय प्रशासन को दरकाना

अपनी जनता से अपने ही देश में इतनी भारी सख्ती देखकर अचंभित व क्षुद्ध हैं, अमेरिकावासी।

पर, देर रात प्राप्त जानकारी के अनुसार, इयॉन मस्क, जिनसे ट्रम्प का सार्वजनिक झगड़ा हुआ था, ने भी ट्रम्प की इस सख्ती का समर्थन किया है।

अमेरिका के वैस्ट कोस्ट पर बसे इस जाने-माने शहर की गवर्नर, डेमोक्रेटिक पार्टी से सम्बद्ध राजनीति है, अतः ट्रम्प को आशंका थी कि शायद प्रदर्शनकारियों से उनका कुछ सहायता प्राप्त हो रहा है।

लॉस एंजलिस में विरोध प्रदर्शन भड़क रहा है, लोकेन देश के एस कई

अच्युत हस्ते भी हैं, जहाँ हालात तंदंदेशनशील है। जिनके पास वैध

दस्तावेज़ हैं, वे भी सड़कों पर उत्तर आए हैं, व्हायॉक उड़े ही बीटारैट किया जा रहा है।

लेकिन वर्षामान प्रदर्शनों को दबाने के लिए जो उपाय किए गए हैं, वे अब

साथ स्थिति को और जटिल बना दिया यहाँ।

अब इस बात पर बहस हो रही है कि बचने की ओर लोगों को घैराली दी जाए।

अब इस बात पर बहस हो रही है कि क्या विरोध प्रदर्शनों की घैराली

मिलिट्री फोर्स है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पर, अचानक सूचना आयी, वे लंच पर मौजूद नहीं रहेंगे, उनके स्थान पर राजनाथ सिंह मेंज़बानी करेंगे

एसआई पेपर लीक के साथ 3 दर्जन आरोपियों ने जमानत याचिका लगाई

जालोर, 9 जून एसआई भर्ती पर अपराध लीक-2021 मामले में न्यायिक अधिकारी अपनी जाति की वारदात नहीं दी जानी चाहती थी, अलान-अलान याचिकाएं लेकर अंतर्राष्ट्रीय कर अंतर्राष्ट्रीय जमानत और

‘जल संरक्षण और प्रकृति’ पर विशेष परिचय

जयपुर। सम्पूर्ण संस्था द्वारा आयोजित 40 दिवसीय बाल एवं महिला संस्कार शिक्षण के सत्रहें सत्र का भव्य आयोजन जयपुर स्थित सोहम काम में किया गया समाज में माहिलाओं एवं बच्चों के समाजीय विकास, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण व जल संरक्षण के उद्देश्य से विभान्त 32 वर्षों से कार्यरत सम्पूर्ण संस्था द्वारा यह संस्कार शिविर 25 वर्षों से एक विशेष प्रयोग बन चुका है। इस शिविर में प्रतिभागियों को प्रार्थना, मंत्रोच्चरण, वैदिक श्लोक, शिष्याचार तथा सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से वैतिक एवं आधारात्मिक विकास की दिशा में मार्गदर्शन दिया जाता है।

इस विशेष सत्र में ‘जल संरक्षण और प्रकृति’ विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई, जिसमें पर्यावरण और समाज से जुड़े विशेषताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत में सम्पूर्ण की कार्यकारी अध्यक्ष आशा



बाल एवं महिला संस्कार शिविर के सत्रहें सत्र का जयपुर स्थित सोहम काम में भव्य आयोजन किया।

जैन ने सभी विशेष अतिथियों का पटका पहनाकर और प्रतीकान्वित भेट कर अभिमंदन किया। सम्पूर्ण की संस्थापिका डॉ. शोभा विजेन्द्र ने अपने वक्तव्य में संस्था द्वारा जल संरक्षण पर छोटे-छोटे कदम उठाने होंगे।

प्रख्यात लेखिका डॉ. शिप्रा माथुर ने अपने संबोधन में कहा कि “देश के 70 प्रतिशत जल खोते वर्षों में जानकारी देते हुए कहा,

■ सत्र में “जल संरक्षण और प्रकृति” विषय पर परिचर्चा में पर्यावरण और समाज से जुड़े विशेषज्ञों ने भाग लिया

से जुड़े हैं, अतः बन क्षेत्रों और वनवासियों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए।” उन्होंने जल संरक्षण के लिए चिंतन, मनन और निविद्यासन (गहन अनशीलन) की आवश्यकता पर बढ़ा दिया।

दीपक वित्तीयार, संरक्षक जलाल बिहारी ने चिंतन करते हुए कहा, “सूर्य, जल और वायु इक्वल की अमूल्य देन हैं। इन पर किसी प्रकार का कर कराया। पुलिस ने सोसाइटी के लिए समान रूप से उपलब्ध है।”

जयपुर। संघी कैप पुलिस ने

जयपुर। संघी क

